परिचयः—

राजकीय महाविद्यालय फागी की स्थापना अगस्त 2019 में हुई। वर्तमान में यह ड़िग्गी मालपुरा रोड पर बगीची वाले बालाजी के मंदिर के पास तालाब के मनोरम/मनोहर पाल पर पूर्व के रा0 उ0 प्रा0 वि0 नं0 2 के रिक्त भवन में संचालित है।

फागी जयपुर जिला मुख्यालय से 50km दूर SH–2 व SH–12 के चौराहे पर स्थित है। यहां तहसील एवं पंचायत समिति मुख्यालय है। फागी पंचायत समिति का लगभग आधा क्षेत्र दूदू विद्यानसभा एवं अजमेर लोक सभा क्षेत्र तथा लगभग आधा क्षेत्र चाकसू विद्यानसभा एवं दौसा लोकसभा क्षेत्र में आता है।फागी एक ऐतिहासिक स्थान है। जनश्रुति के अनुसार फागणा गुर्जर द्वारा बसाये जाने के कारण इस क्षेत्र का नाम फागी पड़ा। फागी कस्बा एक टीले पर बसा हुआ है जिसकी खुदाई में अनेक पुरातात्विक महत्व की सामग्रियों के निकलने के आधार पर जान पड़ता है कि प्राचीन काल में भी–यह स्थान जन–जीवन से आबाद था। फागी के पास ही–(8kmदूर) माधोराजपुरा उपतहसील है जो कि "नये शहर" के नाम से जाना जाता है। इसकी स्थापना जयपुर नरेश सवाई माधोसिंह प्रथम ने मराठों पर विजय के उपलक्ष्य में जयपुर के तर्ज पर की थी।

धार्मिक दृष्टि से भी फागी का महत्व है। सुप्रसिद्ध खेड़ापति हनुमान जी का मंदिर फागी के पास ही स्थित है। जहाँ प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु आते हैं। इसी प्रकार समेलिया गाँव में रणछोड़ जी का प्राचीन मंदिर मांसी नदी–के किनारे स्थित है जहाँ धुलण्ड़ी के दिन विशाल मेले का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा फागी–में चारभुजा मन्दिर तेजाजी मंदिर जैसे अनेक धार्मिक स्थल है। रामपुरा गाँव ओलिया बाबा की दरगाह भाईचारे एवं विश्वास का प्रतीक है।

राजकीय महाविद्यालय फागी ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों का उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सत्र 2019–20 में– कला संकाय के 375 विद्यार्थियों के साथ प्रारंभ किया गया। महाविद्यालय में अनिवार्य विषय के साथ हिन्दी साहित्य, इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र, अग्रेंजी साहित्य, एवं चित्रकला ऐच्छिक विषयों का अध्यापन उच्च योग्यताधारी शिक्षकों के द्वारा करवाया जाता है।

स्थानीय विधायक श्री बाबूलाल नागर के अथक प्रयास फलीभूत हुए और माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत जी के द्वारा घोषणा में फागी को महाविद्यालय की सौगात दी। महाविद्यालय का उदघाटन माननीय विधायक महोदय श्री बाबूलाल नागर के कर कमलों द्वारा दिनांक 17 अक्टुबर 2019 को किया गया।

वंदना